



समानता

मताधिकार की समानता

अन्य प्रकार की
असमानताएँ



मानवीय गरिमा
का मूल्य

भारतीय लोकतंत्र
में समानता

अन्य लोकतंत्रों में
समानता के मुद्दे

लोकतंत्र की चुनौती



समानता

www.evidyarthi.in



- भारत एक लोकतंत्र है।
छठी कक्षा की पुस्तक में,
हमने एक लोकतांत्रिक
सरकार के प्रमुख तत्वों को
देखा।
- इनमें लोगों की भागीदारी,
संघर्ष का समाधान और



कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

DEMOCRACY
FOR ALL

www.evidyarthi.in

EQUITY



<https://www.evidyarthi.in/>

समानता और न्याय
शामिल हैं।

समानता, लोकतंत्र की एक
प्रमुख विशेषता है और
इसके कामकाज के सभी
पहलुओं को प्रभावित करती
है। इस अध्याय में आप



समानता के बारे में
अधिक पढ़ेंगे - यह क्या
है, लोकतंत्र में यह क्यों
महत्वपूर्ण है, और भारत
में हर कोई समान है या
नहीं।

आइए कांता की कहानी
को देखकर शुरू करते हैं।



कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in

कितनी अच्छी बात है न सुजाता, की हम सब अपने देश के सामान नागरिक के रूप में वोट डाल सकते हैं ? जैन साहब भी हमारे साथ इसी लाइन में खड़े हैं!

हाँ, बिल्कुल



<https://www.evidyarthi.in/>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

चल कांता, अब
तेरी बारी आई

मैं तो उसे वोट दूंगी, जिसने
हमारे मोहल्ले में पानी की
पाइप लाइन लाने का वादा
किया है।

www.evidyarthi.in

<https://www.evidyarthi.in/>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



अब्दुल रहमान
कार्मीगर

शबनम बानो,
गृहिणी



ग्रेसी लैलेंग,
सलाहकार



आइजैक लैलेंग,
सरकारी अधिकारी



रुखसाना मिर्ज़ा,
मीडिया-कर्मि



योगराज,
बेरोज़गार



अशोक जैन,
उद्योगपति

<https://www.evidyarthi.in/>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

कुछ देर बाद...

बाद में आना
कांता

जी...,
नमस्ते
साहब

www.evidyarthi.in

गड़िया बुखार में पड़ी है
और उसे अस्पताल लेकर
जाना है...पर पहले साहब
के घर का काम कर आऊँ
...और उनसे कुछ पैसे
उधार ले आऊँ

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

घर पर...

ले, यह पी ले... - कुछ -
अच्छा लगेगा तुझें।
और मैं जब शाम को
लौटूँगी, तो अपन
अस्पताल चलेंगे- ठीक
है?



www.evidyarthi.in

गुड़िया बार-बार बीमार
नहीं पड़ेगी तोह और
क्या होगाइस बस्ती
में तो कवि साफ़-सफाई
होती ही नहीं है।



<https://www.evidyarthi.in/>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

कान्ता ये ले तेरे पैस।
पर पहले से पैसे मांगने
की आदत मत बना,
समझी।

जी मैडम, नहीं
बनाऊँगी।



कोनों को अच्छे
से साफ़ करना।

www.evidyarthi.in



<http://www.evidyarthi.in/>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in

बस ज़रा-सी
देर और
बेटी !

जैन मैडम और जैन साहब
वोट डालने के लिए भले ही
लाइन में खड़े रहे हो, पर
अपने बच्चों के इलाज के
लिए उन्हें लाइन में नहीं
लगना पड़ता है।

आपके विचार से समानता
के बारे में शंका करने के
लिए कान्ता के पास क्या
पर्याप्त कारण है ? उपरोक्त
कहानी के आधार पर उसके
ऐसे सोचने के तीन कारन
बताइए।



मताधिकार की समानता

➤ मतदान करते समय
कांता अपने मालिक
अशोक जैन को पहचान
लेती हैं और अपने
पड़ोसी छोटे लाल को
भी।





➤ भारत लोकतांत्रिक देश है और अमीर, गरीब, हर धर्म वोट दे सकता है।

➤ इसे सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार कहा जाता है।



वोट देने आये।

अशोक जैन

छोटे लाल

www.evidyarthi.in

कान्ता



<http://www.evidyarthi.in>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in

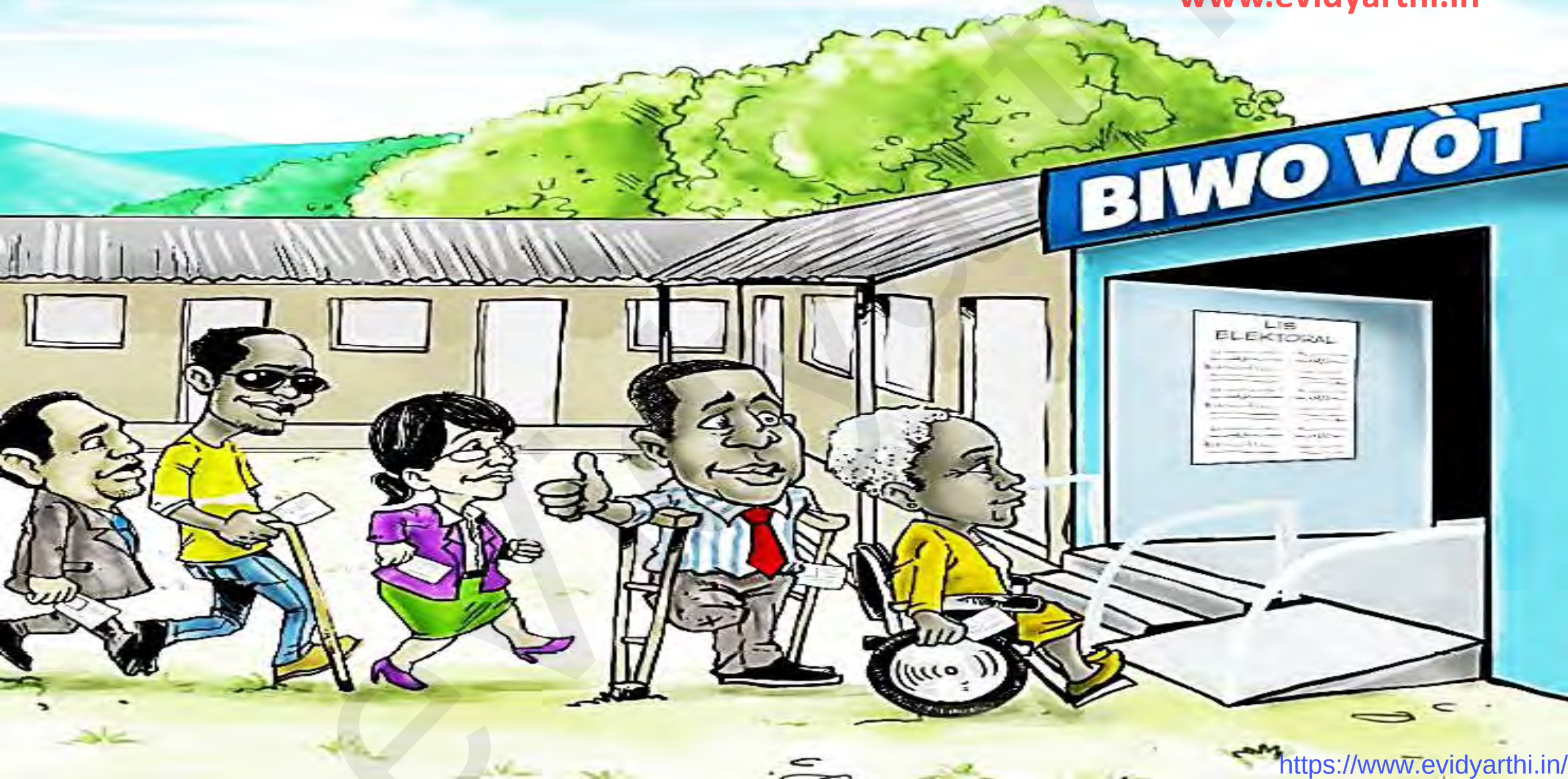
सार्वभौमिक
वयस्क मताधिकार



<https://www.evidyarthi.in/>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

- वोट के लिए समानता पाकर कांता उत्साहित और खुश हैं।
- लेकिन कभी-कभी वह अनिश्चित होती है?
- वह अपने घर के पीछे एक नाले के साथ झोपड़पट्टी में



कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



<http://www.evidyarthi.in/>

- रहती है, उसकी बेटी बीमार है लेकिन वह एक दिन की भी छुट्टी नहीं ले सकती।
- वह एक घरेलू काम की नौकरी करती है, उसे सरकारी अस्पताल में घंटों लाइन में खड़ा होना पड़ता है।



कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

अन्य प्रकार की असमानताएँ

www.evidyarthi.in



- वह भारतीय लोकतंत्र में रहती हैं, जहां सभी समान हैं लेकिन उनके दैनिक जीवन और काम करने की स्थितियाँ समानता से बहुत दूर हैं।



<https://www.evidyarthi.in/>

➤ आइए वास्तविक
जीवन पर
आधारित कुछ
कहानियों के बारे
में जानें।



कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



समानता



न्यायसम्य

<https://www.evidyarthi.in/>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

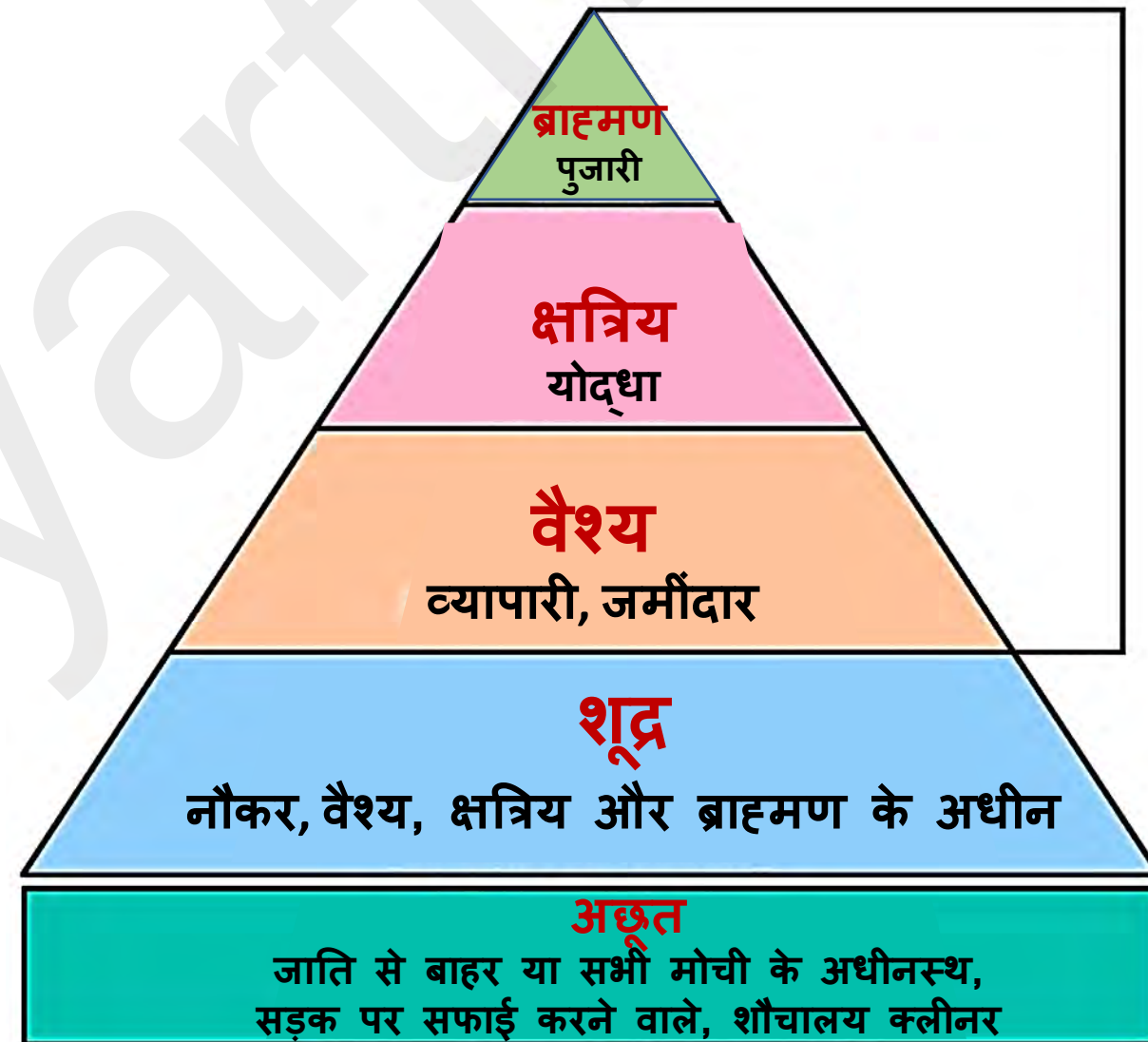
कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

➤ असमानता का सामान्य रूप जाति व्यवस्था है, लोग सोचते हैं कि शहरी भारतीय अब जाति व्यवस्था में विश्वास





नहीं करते हैं लेकिन
आप अनुभव करेंगे कि
वे जानते हैं कि यह
मुद्दा कितना महत्वपूर्ण
है।

आइए पढ़ते हैं एक
दलित बच्चे की स्कूल
जाने की कहानी।



➤ दलित - यह
तथाकथित निचली
जाति के लोगों को
संबोधित करने के
लिए इस्तेमाल किया
जाने वाला शब्द है।
मतलब टूटा हुआ
(हमेशा भेदभाव)



कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in

स्कूल



<https://www.evidyarthi.in/>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

➤ ओमप्रकाश वाल्मीकि
[1956-2013] एक
प्रसिद्ध दलित
लेखक ने अपने
जीवन की एक
घटना [आत्मकथा]
के बारे में लिखा है



www.evidyarthi.in



इन त्रासदियों को अभी
न जाने कितनी सदियों तक सहना है
हौसला रखिये .
वे तुम्हें जीने नहीं देंगे,
हम तुम्हें मरने नहीं देंगे.

ओमप्रकाश वाल्मीकी

30 जून 1950-17 नवंबर 2013

<https://www.evidyarthi.in/>



जिसका नाम जुथन है।
➤ वह लिखते हैं, "मुझे
क्लास से दूर बैठना
पड़ता था, कभी-कभी
बिना वजह मारपीट
भी करता था।



कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

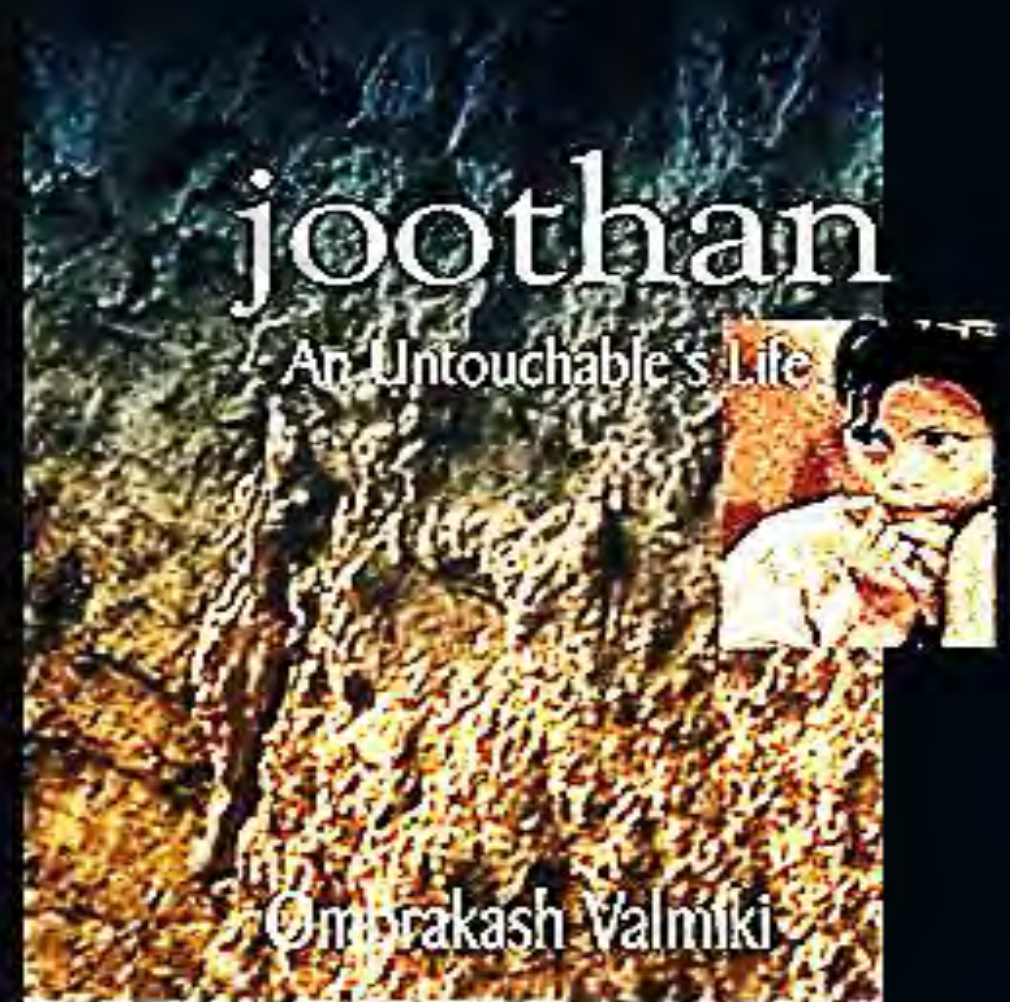
www.evidyarthi.in

हिन्दी दलित साहित्य की
एक विशिष्ट उपलब्धि के रूप में
व्यापक रूप से स्वीकृत आत्मकथात्मक कृति



ओमप्रकाश वाल्मीकि

जूथान
दूसरा खंड



Translated from the Hindi by
Arun Prabha Mukherjee

<https://www.evidyarthi.in/>



- यहाँ तक कि प्रधानाध्यापक ने ओमप्रकाश को खेल के मैदान और स्कूल की सफाई करने को कहा।
- धूल से चेहरा, सिर सन गया था।



[यहां तक कि मुंह के
भीतर भी धूल चली
गयी थी।] मेरी कक्षा
में बाकि बच्चे पढ़
रहे थे,और मैं झाड़ू
लगा रहा था।



कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

➤ वह एक गिलास पानी भी नहीं पी सकता था क्योंकि प्रधानाध्यापक उसे देख रहा था। [वह एक दो दिन ऐसे ही झाड़ू लगाता है] यह तब समाप्त हुआ जब उसके पिता ने उसे झाड़ू लगाते देखा।



कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

➤ उसने जोर से कहा-
मास्टर हो... इसलिए मैं
अभी जा रहा हूँ। लेकिन
इतना याद रखिये मास्टर
कि वह यही पढ़ाई
करेगा, और इसके बाद
और भी पढ़ने आएँगे।



दूसरी कहानी

- यह कहानी भारत के सबसे बड़े शहरों की सच्ची घटनाओं पर आधारित है।
- यह मिस्टर एंड मिसेज अंसारी के बारे में है जो शहर में एक अपार्टमेंट की तलाश में थे।

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

- उन्होंने एक प्रॉपर्टी डीलर से मुलाकात की, उन्होंने पहला मकान देखा और उस मकान को लेने का निर्णय ले लिया।



कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

➤ समस्या तब आई जब मकान मालकिन को उनके नाम पता चल गए, उन्होंने बहाना बनाया कि वह अपना घर मांसाहारी लोगों को नहीं देगी।



- लेकिन डीलर और अंसारी जानते थे कि मांसाहारी लोग यहां रहते हैं क्योंकि पड़ोस से मछली पकाने की गंध आ रही थी।
- हर जगह यही घटना दुहरायी गयी। अंत में





लगभग 1 महीने ढूँढने
के बाद उन्हें एक
मकान-मालकिन मिली,
जो उन्हें मकान किराये
पर देने के लिए तैयार
थीं।



मानवीय गरिमा का

- अंसारी और ओमप्रकाश दोनों के साथ जाति और धर्म के अंतर के आधार पर असमान व्यवहार किया जा रहा है।
- जब लोगों के साथ असमान व्यवहार किया जाता है





तो उनकी गरिमा का
हनन होता है।

- उसकी जाति के कारण
उसे स्कूल में झाड़ू
लगाना पड़ा।
- उसके सहपाठियों और
शिक्षक ने उसकी
गरिमा को





बुरी तरह ठेस पहुँचाई,
जिससे वह अपनै को
कमतर महसूस कर रहा
था। उन्हें इस असमानता
से लड़ने की क्षमता तभी
मिली जब उनके पिता
एक बचावकर्ता के रूप





में आए।

➤ अंसारी की गरिमा को भी तब ठेस पहुंची जब कोई उन्हें अपना घर किराये पर नहीं दे रहा था, और उन्हें नाम बदलने का सुझाव दिया गया।

लेकिन यह उनके
स्वाभिमान के खिलाफ
था।

➤ वे दोनों उसी सम्मान
और गरिमा के हक़दार
हैं, जो दूसरों को
मिलती है।

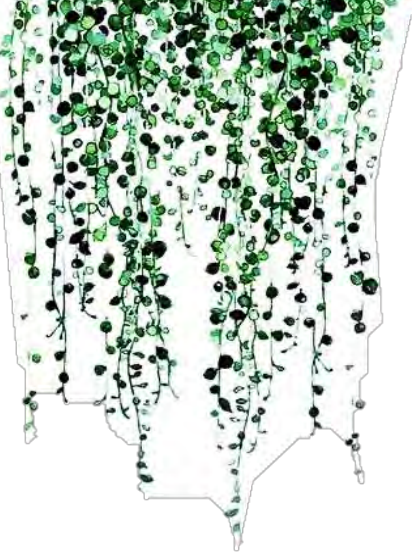


भारतीय लोकतंत्र में

➤ जहाँ पहले कई लोगों की गरिमा से समझौता किया जाता था, लेकिन अब अनेक कानून ऐसे हैं जो लोगों के सम्मान तथा उनके साथ समानता के व्यवहार को सुनिश्चित करने के लिए मौजूद हैं।



- संविधान के प्रावधान
 - राष्ट्रपति से लेकर
कांता तक कानून के
समक्ष सभी समान हैं।
- भारतीय संविधान में
अनुच्छेद 14-18 के
तहत समानता का
अधिकार दिया गया है।



अनुच्छेद-14. कानून के
समक्ष समानता।

अनुच्छेद-15. धर्म,
मूलवंश, जाति, लिंग या
जन्म स्थान के आधार पर
भेदभाव का निषेध।



अनुच्छेद -16. सार्वजनिक
रोजगार के मामलों में
अवसर की समानता।

अनुच्छेद -17. अस्पृश्यता
का अंत।

अनुच्छेद -18. उपाधियों
का अंत।



2. किसी भी व्यक्ति के साथ उसके धर्म, नस्ल, जाति, जन्म स्थान, महिला या पुरुष के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।

3. प्रत्येक व्यक्ति होटल, दुकानों, बाजारों आदि सहित सभी सार्वजनिक स्थानों पर जा सकता है।



कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

सार्वजनिक सुविधाएं

www.evidyarthi.in

स्कूल



<https://www.evidyarthi.in/>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in

स्वास्थ्य केंद्र



<https://www.evidyarthi.in/>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

सार्वजनिक परिवहन

www.evidyarthi.in



<http://www.evidyarthi.in/>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

सुरक्षित पेयजल

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

4. अस्पृश्यता का अंत कर दिया गया है।

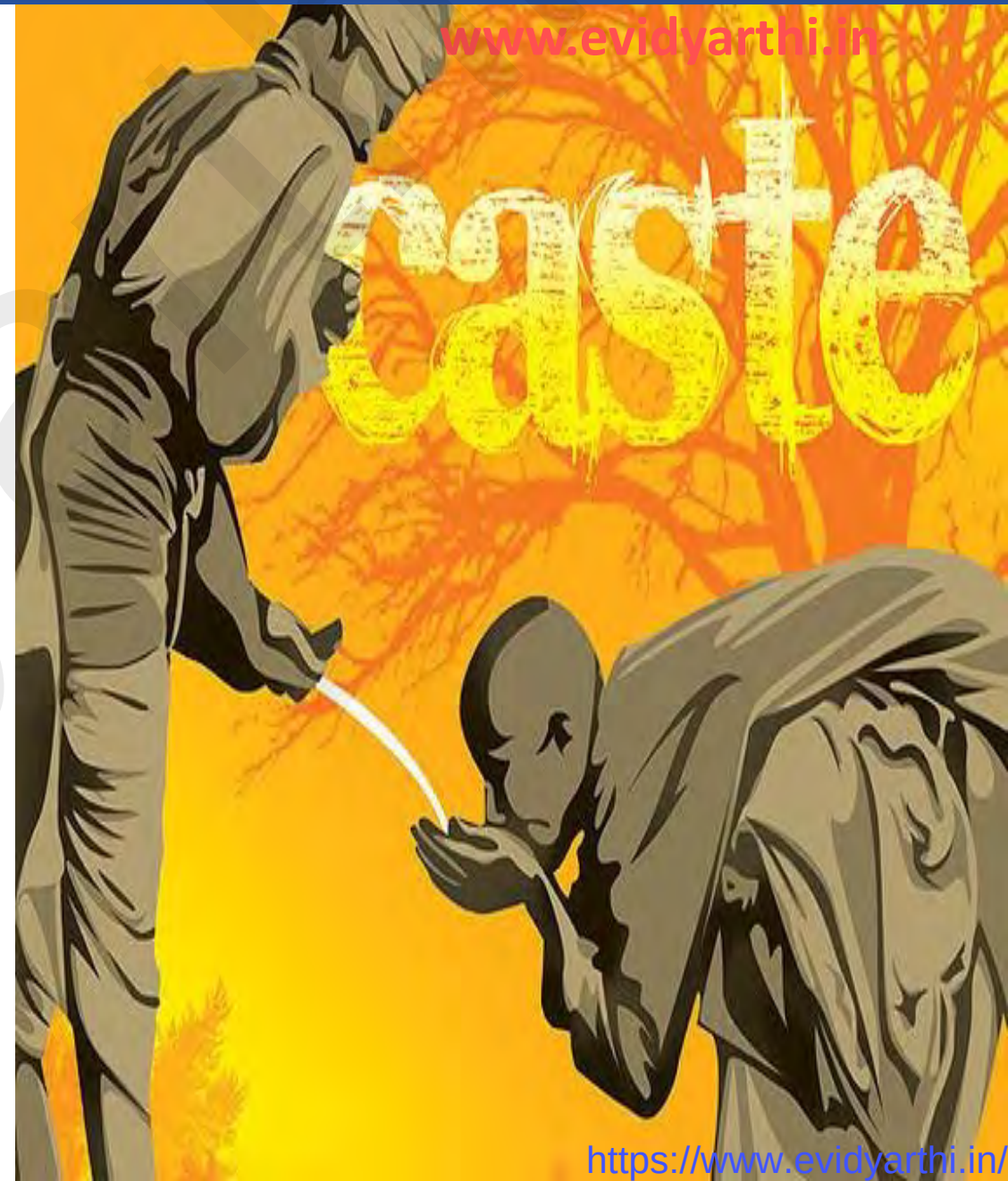
- सरकार ने वंचित समुदायों की सहायता के लिए पहले कानूनों के माध्यम से और दूसरे कार्यक्रमों और योजनाओं के माध्यम से समानता प्रदान की।



भारत में विभिन्न प्रकार के भेदभाव किए जाते हैं।

➤ अन्य जाति के सदस्यों के साथ खाने से मना करना।

➤ गांव की चाय की दुकानों पर दलितों के लिए अलग गिलास।



➤ गांव के मंदिरों में प्रवेश
वर्जित

➤ गांव की आम/सार्वजनिक
संपत्तियों और संसाधनों
(कुआँ, तालाबों, मंदिरों,
आदि) को उपयोग नहीं
करने देना।



➤ स्कूलों में दलित
बच्चों का अलगाव
(अलग बैठने की
जगह),
अनुच्छेद 17
"अस्पृश्यता को
समाप्त कर दिया





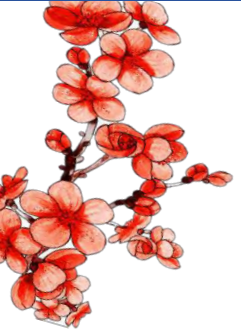
गया है और किसी भी रूप में इसका अभ्यास निषिद्ध है। "अस्पृश्यता" की वजह से किसी भी तरह के काम करने से रोकना या दुर्व्यवहार करना कानून के अनुसार दंडनीय अपराध होगा।"



उदाहरण के लिए :-

- मध्याह्न भोजन योजना तमिलनाडु इस योजना को शुरू करने वाला भारत का पहला राज्य था।





- **2001 में सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्य सरकारों को 6 महीने के भीतर हर सरकारी स्कूल में इस योजना को शुरू करने के लिए कहा।**

www.evidyarthi.in



<http://www.evidyarthi.in/>

कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

- इस योजना की ओर आकर्षित होकर गरीब बच्चे नियमित रूप से स्कूल आने लगे।
- यह प्रत्येक बच्चों को एक साथ खाने की अनुमति देकर जातिगत



कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

हर दिन स्कूल जाते बच्चे

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

एकजुटता

www.evidyarthi.in



पूर्वाग्रहों को कम करने
में भी सहायक था।
➤ यहां तक कि कई
जगहों पर दलित
महिलाओं को खाना
बनाने के लिए काम
पर रखा गया था।



- दृष्टिकोण बहुत धीरे-धीरे बदलते हैं, लोग जानते हैं कि भेदभाव कानून के खिलाफ है, लेकिन वे लोगों के साथ असमान व्यवहार करना जारी रखते हैं।



कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

दलित महिलाएं

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

- यह धर्म, आर्थिक स्थिति, विकलांगता के आधार पर महिलाओं के लिए द्वार खोलता है।
- एक लोकतांत्रिक समाज में समानता स्थापित करना एक सतत संघर्ष है।



अन्य लोकतंत्रों में समानता के

www.evidyarthi.in

- भारत एकमात्र लोकतांत्रिक देश है जिसमें असमानता है और जहां समानता के लिए संघर्ष जारी है। अमेरिका में अफ्रीकी-अमेरिकियों को अफ्रीका से खरीदा, उनके पूर्वज गुलाम थे।

यहां तक कि 1950 के दशक के अंत में अफ्रीकी-अमेरिकियों को अधिकार प्रदान करने के लिए एक आंदोलन भी किया गया था।

उदाहरण के लिए : -

उन्हें बस के पिछले
हिस्से में बैठना
पड़ता था, या फिर
किसी गोरे के लिए
अपनी सीट छोड़नी
पड़ती थी।



कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

www.evidyarthi.in

<https://www.evidyarthi.in/>

➤ **रोजा पाकर्स [1913-2005]**
एक अफ्रीकी अमेरिकी थीं,
जिन्होंने 1 दिसंबर 1955
को दिन भर काम करके
थक जाने के बाद बस में
अपनी सीट एक गोरे को
देने से इनकार कर दिया
था।



➤ उनके इंकार से अफ्रीकी-अमेरिकनों के साथ असमान को लेकर एक विशाल आंदोलन प्रारंभ हो गया, जो नागरिक अधिकार आंदोलन (सिविल राइट्स मूवमेंट) कहलाया।

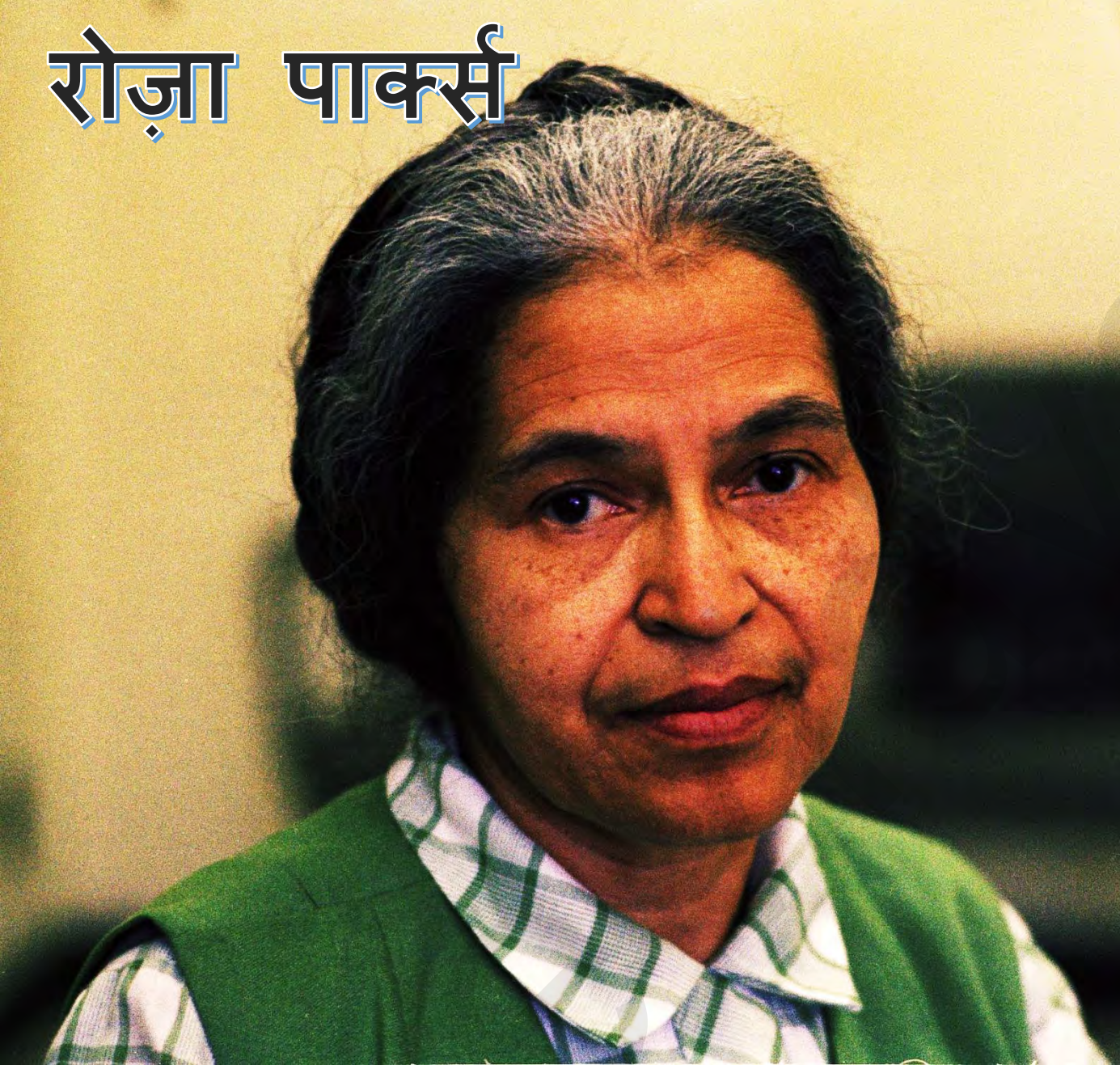


➤ 1964 के नागरिक अधिकार अधिनियम ने जाति, धर्म या राष्ट्रीय मूल के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित किया।



कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

रोज़ा पार्क्स



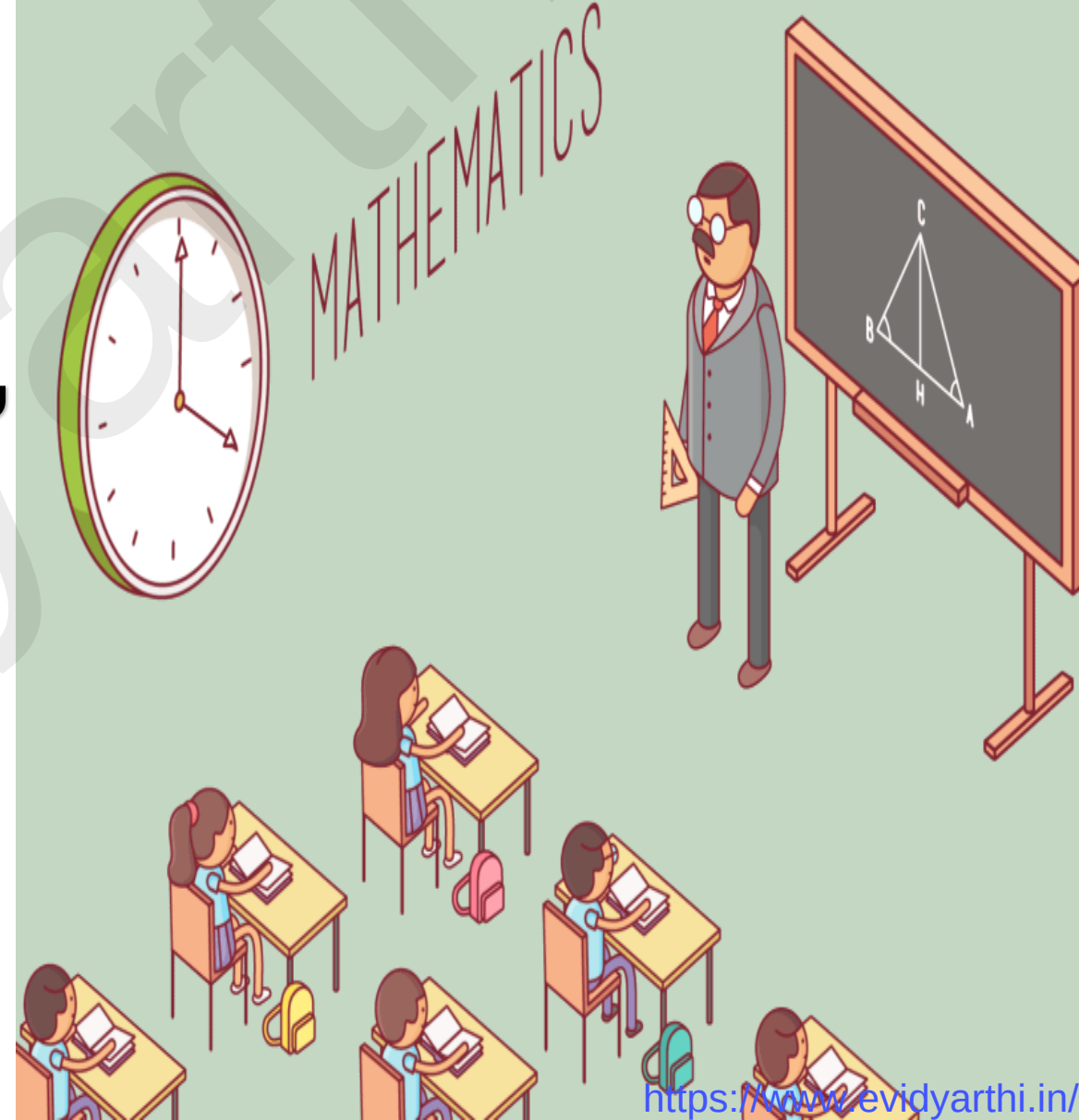
कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

➤ अफ्रीकी-अमेरिकी बच्चे देश के सबसे गरीब बच्चों में से हैं, वे गोरे जैसे निजी स्कूलों का खर्च नहीं उठा सकते।



कक्षा VII पाठ 1 भारतीय लोकतंत्र में समानता(NCERT)

अफ्रीकी-अमेरिकी

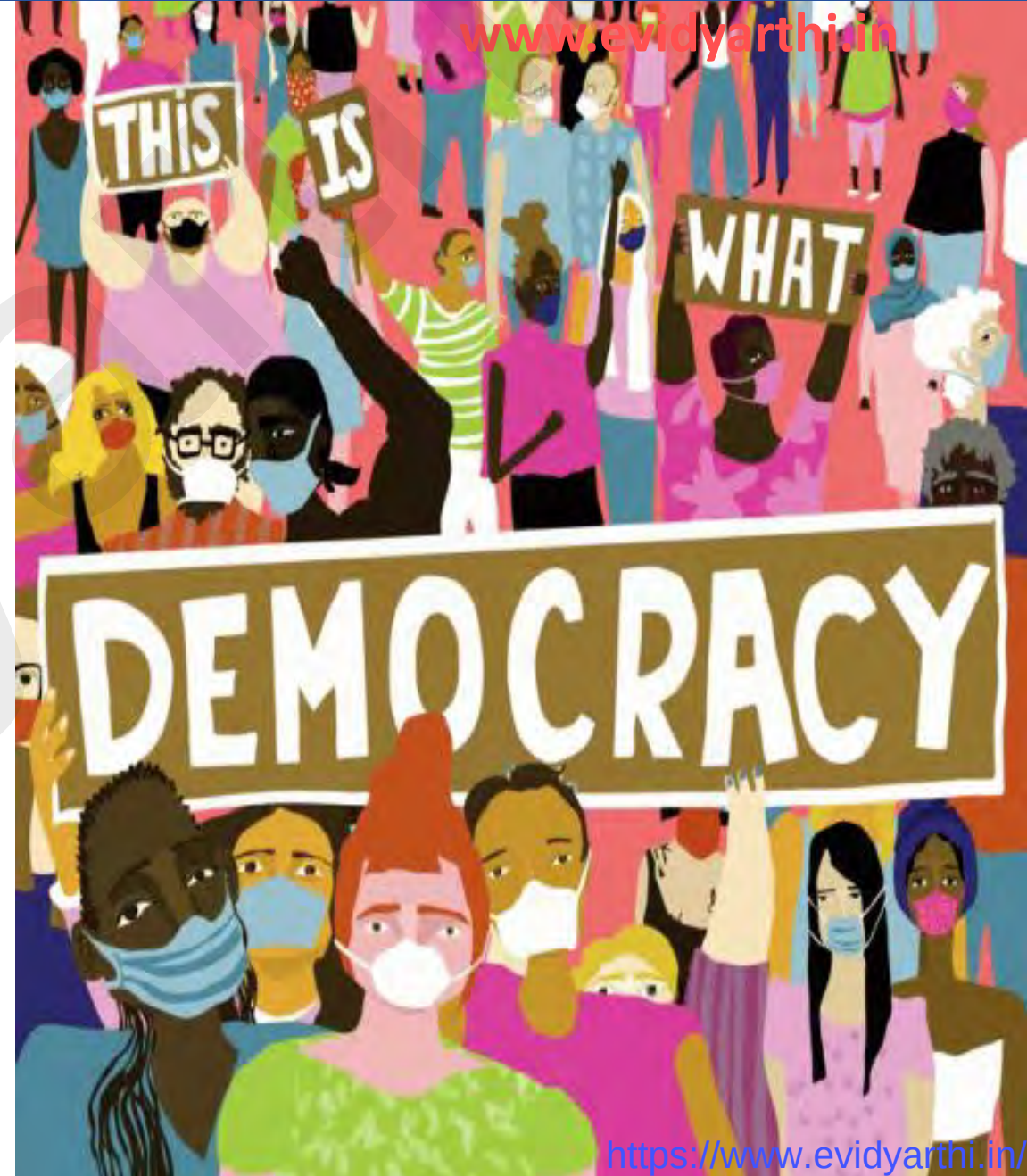
www.evidyarthi.in



<https://www.evidyarthi.in/>

लोकतंत्र की चुनौती

➤ किसी भी देश को सर्वश्रेष्ठ नहीं कहा जा सकता है, इसमें हमेशा कुछ खामियां होती हैं।





➤ व्यक्तियों को हमेशा अधिक से अधिक मान्यता की आवश्यकता होती है। वे समान होना चाहते हैं, सम्मानित होना चाहते हैं।



➤ आप इस पुस्तक में आगे पढ़ेंगे कि कैसे समानता का यह मुद्दा लोकतांत्रिक भारत में हमारे दैनिक जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करता है।

www.evidyarthi.in
EQUAL
PROTECTION
FOR
EVERYONE

